श्री अद्वैत जयंती

प्रणाम

तर्ज़ – दिल ले गया मेरा नंद

प्रणाम तुझे परमहंस दयाल।
मोरी पल – पल, छिन – छिन कर संभाल।। टेक।।

'आनंदपुरी ' 'अद्वैत स्वरूपा', आन मिले ' निजात्म ' रूपा ।
कर दर्स – पर्स झट छूटे काल, प्रणाम ... ...

मानुष तन धर कलु में आयो, सत्नाम को आ प्रगटायो।
मोरे कष्ट हरे सब दीन दयाल, प्रणाम ... ...

जीव कलु के देख दुखारे, संकट नाशक आन पधारे।
दिया 'सार शब्द' धुन सुर्त ताल , प्रणाम ... ...

''दासनदास'' शरण प्रभु तोरी, लाज राखो कृपा – निधि मोरी।
राखो चरण शरण, तुम हो कृपाल, प्रणाम ... ...

दीनन के नाथ मोरे सत्गुरु कृपाल ।
नमामि तुझे मोरी परमहंस दयाल।। टेक।।

अपनी शरण राख ले दीन दाता ।
मुझसे अनाथों का तू ही पिता – माता।।
पल – पल में दासों की करियों संभाल , नमामि ... ...

किस मुख से गाऊं मैं किसको सुनाऊं।
महिमा तुम्हारी का अंत न पाऊं।।
शर्मसार हूं देख कर अपना हाल , नमामि ... ...

तुम सा न दाता न मुझ सा भिखारी।
तेरी शरण दीन दुखियां हूं भारी।।
बख्शों चरण कमल की अब रवाल , नमामि ... ...

तुझको ध्याऊं मैं तेरा कहलाऊं ।
तुझको जपूं और तुझमें समाऊं।।
मानो प्रभु " दास" का यह सवाल, नमामि ... ...

परमहंस अवतार सत्गुरु प्यारा है।। टेक।।

दीन दयाल दया के सागर, कर कृपा हुए लोक उजागर।
विच कलियुग अवतार, सत्गुरु ... ...

नाम दी बेड़ी आन बनाई, सत्गुरु मेरे रचन रचाई।
बलिहारी – बलिहार, सत्गुरु ... ...

त्रैगुण थीं हैं न्यारे स्वामी, गुरु चरणों में करूं नमामी।
करन – करावन हार, सत्गुरु ... ...

सत्गुरु की जो शरणी आया, सत्गुरु उसनूं मार्ग लाया।
बख़्शी मोक्ष द्वार, सत्गुरु ... ...

क़ल मालिक है सत्गुरु मेरा, भेद किसे न पाया तेरा।
प्रकट विच संसार, सत्गुरु ... ...

मन मोहिनी गुरु मूर्ति प्यारी, संत रूप विच आप मुरारी।
"दास" पड़ा दरबार, सत्गुरु ... ...

दोहा – पाठक क़ल के चाँद ने, जग में किया प्रकाश।
राम रूप में पकट हो, मेटी यम की त्रास।।

तर्ज़ – सत्गुरु प्यारे तेरे चरणां तो वारीयां ... ...

दादा गुरुदेव तेरी महिमा अपार है।
कृपा – निधान तू तो प्राण आधार है।। टेक।।

शुभ रामनवमी आई, भारत में बजी बधाई।
'तुलसी' पिता के घर में बाजी थी प्रेम शहनाई।।
नाम शुभ रखा तेरा 'राम यादगार' है, दादा ... ...

छप्परा बिहार अंदर लीना अवतार जी।
शुभ रामनवमी अते दिन ऐतवार जी।।
प्रगटे क़ल 'पाठक' अंदर कीता उपकार है, दादा ... ...

बालपन अंदर कीती लीला महान् जी।
होके विद्वान कीता सबदा कल्याण जी।।
घर –घर में बांटा भक्ति योग भंडार है, दादा ... ...

जिसने भी तुझको देखा उसकी ही बदली रेखा।
मुख़ड़ा नूरानी देखा यम का चुकाया लेखा।।
उसको ही बख़्शा तूने मोक्ष द्वार है, दादा ... ...

जन्म – जन्म की एह लगन लगाई।
तुद कृपा ते रमज़ यह पाई।।
''दासनदास'' मांगे चरणों का प्यार हैं, दादा ... ...

श्री राम नौमी आई खुशियाँ मना लईये।
दादा गुरुदेव की जय – जय बुला लईये।। टेक।।

छप्परा विच छुप रहया सी प्रकट सो होया,
पाप कर्म सारा छुप –छुप रोया ।
दौड़े सब लोग कहन्दे दर्शन तां पा लईये, दादा गुरुदेव ... ...

तुलसी बाबा के घर बाजी शहनाई,
सेवक नर – नारी सारे देन बधाई।
हर कोई आखे आओ नचईये ते गा लईये, दादा गुरुदेव ... ...

राम याद आखे कोई राम रूप नूं,
वारी – वारी वेखण ऐसी मूरत अनूप नूं ।
मिल – मिलके कहंदे क्यों न दिल विच बिठा लईये, दादा गुरुदेव ... ...

भागां वाली गोद विच हंस –हंस खेले सी,
गोदी सी अनोखी ऐ पर चन्द दिन मेले सी ,
उस प्यारी गोदी वाला ध्यान जमा लईये, दादा गुरुदेव ... ...

दादा गुरुदेव तेरे गुण –गण क्या गावां,
ऐबां नूं देख अपने अति शरमावां।
ऐसी कर कृपा " दासनदास " कहला लईये, दादा गुरुदेव ... ...

रामनवमी का शुभ दिन आया, बोलो सियाराम की जय ।
राम जन्म के कारण अनेका, पावन परम एक ते एका।।
भक्तजनां मन भाया, बोलो ... ...

विश्वामित्र के काज संवारे, अवध त्याग वन राक्षस मारे।
ऋषि यज्ञ को सफल बनाया, बोलो ... ...

जनकपुरी कोमल पग धारा, तब शिव धनुष तोड़ कर डारा।
घर – घर मंगल छाया, बोलो ... ...

भक्त हेत प्रभु नर तन धारा, पितु वचनों पर सब कुछ वारा।
राज त्याग बन आया, बोलो ... ...

अनिक भक्ति को किया सुखारा, सिया कारण जा रावण मारा।
भरत मिलाप कराया, बोलो ... ...

आज भी वह दिन मंगल आया, राजौरी ते करम कमाया।
राम रूप अद्वैत हो आया, बोलो ... ...
यह "दासनदास" सुनाया, बोलो ... ...

तर्ज– अब तुम दया करो महाराज ... ...

मेरी अर्ज सुनो महाराज जी परमहंस कहलाने वाले।। टेक।।

जब ज़ोर कलू ने पाया, तुसां अपना रूप वटाया।
शुभ मारग आन चलाया जी, अजपा बतलाने वाले, मेरी अर्ज़ ... ...

विच द्वापर जब तूं आया, सब सखियां प्रेम कमाया।
धर संत रूप हुन आया जी , निज भक्त तराने वाले, मेरी ... ...

जब होई भक्त की हानि, तू घट – घट को पहिचानी ।
निज मुख से अमृत बानी जी,भक्तों को सुनाने वाले, मेरी ... ...

कर सुर्त्त शब्द का मेला, सुखमन सीढ़ी कर ठेला।
जिया रहिन्दा आप अकेला जी, अनहद बतलाने वाले , मेरी ... ...

तुसां ऐसी युक्त बता ली, घट भीतर ज्योत जगा ली।
ओत्थे खेलन सन्त दीवाली जी, निज धाम पहुंचाने वाले, मेरी ... ...

तुम दयाल देश के वासी, तेरा नाम आनंद सुख राशि।
तोड़े मोह – ममता की फांसी जी, तुम मुक्त कराने वाले , मेरी ... ...

तैंने सब सृष्टि को तारा , कह " दासनदास" पुकारा।
तेरा नाम है करूणधारा जी, भव बन्धन छुड़ाने वाले, मेरी ... ...

तर्ज़– है क्या –क्या जलवा ... ...

श्री परमहंस के आने की घर घर में बजी बधाई है।
तुलसी बाबा के द्वारे पे अज बाजी प्रेम शहनाई है ।। टेक।।

शुभ राम जन्म दिन नौमी को, इस राम रूप का जन्म हुआ।
भारतवासी नर – नारी ने, रल मिल कर खुशी मनाई है, श्री परमहंस ... ...

सब रामयाद को याद करें, इस याद से दिल को शाद करें।
उजड़ी खेती आबाद करें, शुभ याद दिलों को भाई है, श्री परमहंस ... ...

सब राम नाम की माया है, पाठक कुल को चमकाया है।
जो सवाली दर पर आया है, उसकी भी आस पुजाई है, श्री परमहंस ... ...

छपरा की गली बाजारों को, प्रणाम मेरा दीवारों को ।
कब देखूं उन चौबारों को, जहाँ लीला प्रभु दिखाई है, श्री परमहंस ... ...

कहे ''दासनदास'' बधाई हो, सबका गुरुदेव सहाई हो।
जिसको यह मूरत भाई हो, तिस जन की सफल कमाई है, श्री परमहंस ... ...